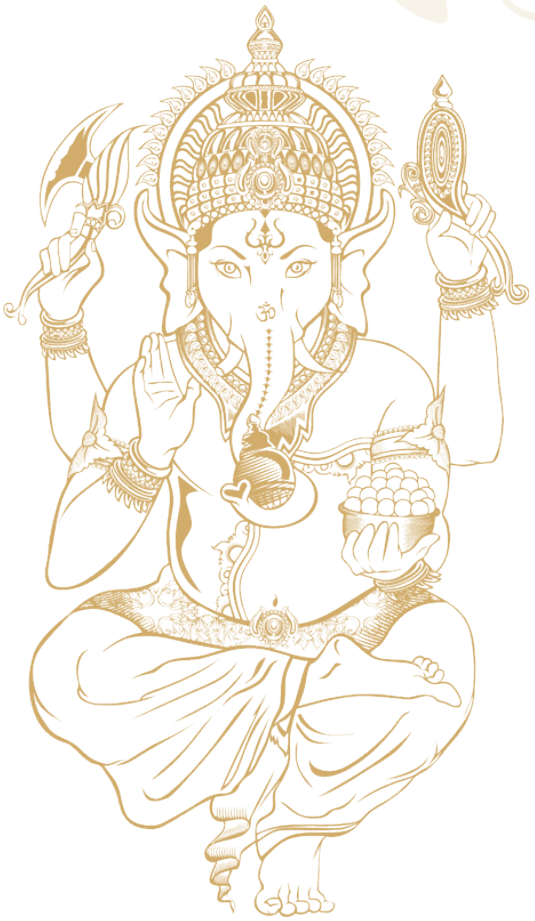

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/12/1996	जन्म तिथि	22-23/07/1997
बुधवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 11:35:00	जन्म समय	04:44:00 घंटे
घटी 10:59:56	जन्म समय(घटी)	57:50:05 घटी
India	देश	India
Ghaziabad	स्थान	Delhi
28:40:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:01	सूर्योदय	05:36:51
17:29:27	सूर्यास्त	19:17:52
23:48:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 7वर्ष 7मा 12दि	25:48:51	कुंभ	लग्न	मिथु	24:03:07	राहु 5वर्ष 11मा 19दि
शनि	09:55:06	धनु	सूर्य	कर्क	06:20:08	शनि
07/08/2020	14:21:26	मिथु	चंद्र	कुंभ	15:34:40	12/07/2019
08/08/2039	03:02:11	कन्या	मंगल	कन्या	23:01:54	12/07/2038
शनि 11/08/2023	25:13:03	धनु व	बुध	सिंह	00:41:21	शनि 15/07/2022
बुध 20/04/2026	29:48:23	धनु	गुरु व	मक	25:23:14	बुध 24/03/2025
केतु 30/05/2027	16:11:50	वृश्चि	शुक्र	सिंह	05:28:21	केतु 03/05/2026
शुक्र 30/07/2030	07:13:13	मीन	शनि	मीन	26:27:23	शुक्र 03/07/2029
सूर्य 12/07/2031	09:29:56	कन्या व	राहु व	सिंह	26:59:09	सूर्य 15/06/2030
चन्द्र 09/02/2033	09:29:56	मीन व	केतु व	कुंभ	26:59:09	चन्द्र 14/01/2032
मंगल 21/03/2034	09:05:19	मक	हर्ष व	मक	13:08:48	मंगल 22/02/2033
राहु 25/01/2037	02:46:09	मक	नेप व	मक	04:42:02	राहु 30/12/2035
गुरु 08/08/2039	10:20:15	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:07:46	गुरु 12/07/2038

लग्न-चलित

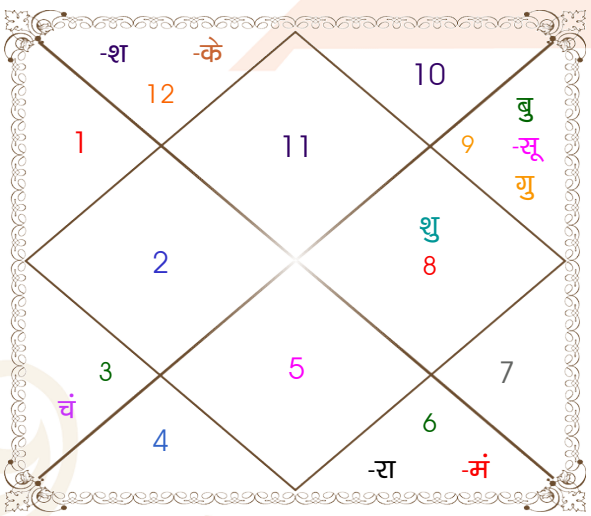

लग्न-चलित

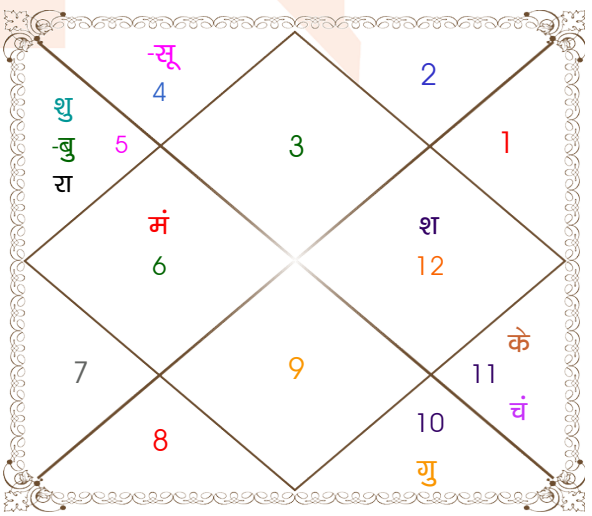

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र आर्द्रा है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है। Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।